पाठ्यक्रम

बी0एफ0ए0–प्रथम खण्ड

सैद्धान्तिक प्रश्न–पत्र कला का इतिहास एवम् सौन्दर्य शास्त्र

प्रथम प्रश्न–पत्र

पूर्णांक–100 अंक
समय– 3 घण्टे

यूनिट –1

- भारतीय प्रागैतिहासिक कला–संक्षिप्त सर्वेक्षण
- सिन्धु घाटी सभ्यता की कला
- मौर्य कालीन मूर्तिकला
- शुंगकालीन मूर्तिकला

यूनिट –2

- आन्ध्र सातवाहन कला
- कुषाण युगीन कला (मथुरा एवं गांधार)
- गुप्तकालीन कला (अजन्ता, बाघ, सिंगरिया, सित्तनवासल की चित्रकला)

यूनिट –3

- यूरोप की प्रागैतिहासिक कला
- मिश्र की प्राचीन कला
- मेसोपोटामिया, सीरिया, बेबीलोन

यूनिट –4

- कला की उत्पत्ति
- कला की परिभाषा
- कला का वर्गीकरण–भारतीय और पाश्चात्य विचार
- विष्णु धर्मोत्तर का चित्रसूत्र
- षडंग
- लोक कला–संक्षिप्त परिचय

विभागाध्यक्ष
ललित कला विभाग

बी0एफ0ए0–प्रथम खण्ड
सैद्धान्तिक प्रश्न–पत्र– तकनीकी सिद्वान्त
द्वितीय प्रश्न–पत्र

पूर्णांक–100
समय– 3 घण्टे

यूनिट –1

- रेखा
- रूप
- रंग

यूनिट –2

- पोत
- तान
- अन्तराल

यूनिट –3

- लय
- संतुलन
- परिप्रेक्ष्य
- एकता
- विरोधाभास
- रंग संगति

यूनिट –4

- फोटोग्राफी के मूल तत्व
- विषय
- लाइट
- कैमरा
- फिल्म

विभागाध्यक्ष
ललित कला विभाग

बी0एफ0ए0–द्वितीय खण्ड

प्रथम प्रश्न–पत्र–सैद्धान्तिक प्रश्न–पत्र कला इतिहास एवम् सौन्दर्य शास्त्र (चित्रकला,व्यावहारिक कला एवं मूर्तिकला)

पूर्णांक – 100
समय–3 घण्टे

यूनिट –1

- पाल सेन मूर्तिकला
- चन्देल मूर्तिकला (खजुराहो)
- कोणार्क की मूर्तिकला
- चालुक्य (बादामी,आयहोल)
- पल्लव मूर्तिकला (महाबलीपुरम्)
- राष्ट्रकूट मूर्तिकला (एलोरा, एलीफॅण्टा)
- होयसल मूर्तिकला
- चोल मूर्तिकला

यूनिट –2

- पूर्वीभारतीय पोथी चित्र (पामलीफ, मैन्यूस्क्रिप्ट्स–बिहार ,बंगाल, उड़ीसा)
- मध्यकालीन भारतीय चित्रकला का सर्वेक्षण
- पश्चिम भारतीय लघुचित्र शैली
- आरम्भिक मुगल तथा उत्तर मुगल शैली

यूनिट –3

- क्रीट माइसीनिया
- ग्रीक कला (आर्केइक से रोमन काल तक, मूर्तिकला तथा चित्रकला)
- बाइजेण्टाइन कला
- गोथिक कला

यूनिट –4

- सौन्दर्य–भारतीय अवधारणा एवं प्रमुख विचारक–(भरतमूनि, अभिनवगुप्त, मन्जीत, भटटलोलक, मम्मट, पंडित राज जगन्नाथ, रवीन्द्र नाथ टैगोर, नगेन्द्र ,महात्मा गॉधी)
- कला और सौन्दर्य का परस्पर संबंध
- भारतीय कला की विशेषतायें

- भारतीय रस सिद्धांत

बी0एफ0ए0–द्वितीय खण्ड

द्वितीय प्रश्न–पत्र –सैद्धान्तिक प्रश्न–पत्र प्रश्न–पत्र तकनीकी सिद्धांत– चित्रकला

पूर्णांक –100

समय–3 घण्टे

यूनिट –1

- रंग के विभिन्न माध्यम – जल, तैल, पेस्टल, एक्रिलिक, टैम्परा)
- रंगों के गुण और दोष – विभिन्न माध्यमों में
- रंगों का सामंजस्य एवं विरोधाभास
- कागज के विभिन्न प्रकार एवं पेन्सिल

यूनिट –2

- तूलिका और उसके विभिन्न प्रकार, गुण –दोष ,निर्माण की विधि
- रंगचूर्ण एवं वसली, कागज बनाने की विधि
- ताड़पत्रीय चित्रकला
- लघुचित्रण तकनीक
- टैम्परा के विभिन्न प्रकार

युनिट –3

- पट चित्रण विधि
- पेस्टल की विधि
- जल चित्रण की विधि

यूनिट –4

- वाश तकनीक एवं प्रसिद्ध कलाकार
- वाश तकनीक
- टैपरा के विभिन्न प्रकार
- एडोव इलेस्ट्रेटर

बी0एफ0ए0–द्वितीय खण्ड

सैद्धान्तिक प्रश्न–पत्र तकनीकी सिद्धांन्त –व्यावहारिक कला

द्वितीय प्रश्न–पत्र

समय–3 घण्टे
पूर्णांक– 100

यूनिट –1

विज्ञापन कला के सिद्धान्त,
डिजाइन के तत्व,
डिजाइन के सिद्धान्त,
ले –आउट की परिभाषा, ले–आउट की पृष्ठभूमि का अध्ययन
डायरेक्ट –इनडायरेक्ट एडवरटाइजिंग

यूनिट –2

लेखन कला की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि एवं प्रगति
अक्षरों के सिद्धान्त
टाइपोग्राफी के प्रारम्भिक सिद्धान्त
टाइप का परिचय
मुद्रण केस एवं कम्पोजिंग का अध्ययन
पश्चिम, चीन, जापान एवं भारत में प्रारम्भिक टाइपोग्राफी
टाइप डिजाइन एवं लीडिंग टाइप डिजाइनर

यूनिट –3

- प्रोनेस कैमरा के प्रकार,
- लाइन ब्लाक की विधि,फिल्म, लेंस,शटर
- डायाफ्राम
- एक्सपोजर मीटर
- फोक्स लेंश
- डेप्थ ऑफ फील्ड
- प्रिटिंग मशीन
- इन्लाजर और उसके पार्ट्स,
- ए0एस0ए. और डी0आई0एन0।

यूनिट –4

- फिल्म के प्रकार,पेपर के प्रकार
- पेपर ग्रेड,फोटोग्राफी,रसायन
- सेफलाइट, कान्ट्रक्ट, प्रिन्टिगं मशीन
- इन्लाइजर और उसके पार्ट्स
- ए0एस0ए0 और डी0 आई0 एन0।

बी0एफ0ए0–द्वितीय खण्ड
सैद्धान्तिक प्रश्न–पत्र तकनीकी सिद्धांन्त–मूर्तिकला
द्वितीय प्रश्न पत्र

पूर्णांक–100
समय–3 घण्टे

यूनिट –1

- काष्ठ को तराशने की पद्वति
- काष्ठ को तराशने के लिए प्रयोग में आने वाले औजार
- काष्ठ की सीजनिंग

यूनिट –2

- प्लास्टर ऑफ पेरिस के वेस्ट मोल्ड बनाने की विधि।
- टेराकोटा के लिए मिट्टी बनाने की विधि।

यूनिट –3

- क्ले–पोर्ट्रेट के लिए ऑरमेचर बनाना।
- बटर फ्लाई का प्रयोग।

यूनिट –4

- प्लास्टर ऑफ पेरिस के मूर्ति को रंगना।
- क्ले–मॉडलिंग के लिए प्रयोग में आने वाले औजार।

बी0एफ0ए0–तृतीय खण्ड

सैद्धान्तिक प्रश्नपत्र कला इतिहास एवम् सौन्दर्य शास्त्र

(चित्रकला एवं व्यावहारिक कला एवं मूर्तिकला)

प्रथम प्रश्न–पत्र

पूर्णांक – 100
समय– 3 घण्टे

यूनिट –1

- राजस्थानी चित्रकला –उत्पत्ति और विकास (जयपुर, बूंदी, किशनगढ़, नाथद्वारा, मेवाड़)
- मुगल चित्रकला–उत्पत्ति और विकास (अकबर, जहॉगीर, शाहजहॉ, औरंगजेब)
- पहाड़ी चित्रकला – उत्पत्ति और विकास (बसोहली, गुलेर–कागड़ा, चम्बा, कुल्लू, गढ़वाल)
- कम्पनी शैली – पटना और बनारस।

यूनिट –2

- रैनेसाँ– मैसेच्चियो, एजिलिको, बोट्टिसेल्ली, लियोनार्दो द विंची, माइकेल एन्जेलो, रैफेल
- टीशियन, दोनातेल्लो, गिबर्टी (चित्रकला)
- मैनेरिज्म (चित्रकला)

यूनिट –3

- बरोक – बर्निनी, कैरेवैज्जियो, रूबेन्स ,रेम्ब्रा, वेलास्के (चित्रकला)
- रोकोको – फ्रेंच (चित्रकला)
- नियोक्लासिज्म – आंग्रे, जॉकदवि, कनोवा।

यूनिट –4

- सौन्दर्य – पाश्चात्य विचारक और अवधारणा –(सुकरात, प्लेटो,हीगेल, कॉन्ट,टॉल्सटाय, शोपेन हावर, दोस्तोवस्की, रिचर्ड शेक्सपियर, हर्बर्टरीड, कलिंगवुड, क्रोंचे)
- कला और अंतःचेतना
- कला और अभिव्यक्ति
- कला और प्रतिरूपण।

बी0एफ0ए0–तृतीय खण्ड
सैद्धान्तिक प्रश्न पत्र तकनीकी सिद्धान्त–चित्रकला
द्वितीय प्रश्न–पत्र

पूर्णांक – 100
समय – 3 घण्टे

यूनिट –1

- तैलरंग के गुण और दोषो का विस्तार से अध्ययन।
- कैनवस की निर्माण विधि एवं साइजिंग।
- रंगों के गुण – स्वभाव तथा प्रभाव का रासायनिक ,खनिज एवं प्राकृतिक परिप्रेक्ष्य में अध्ययन।

यूनिट –2

- भित्ति चित्रों की विभिन्न तकनीक (टेम्परा, फ्रेस्को, मौजाइक, टेराकोटा व मिक्स मीडिया)
- कैरियर ,सर्पोट एवं ग्राउण्ड का भित्ति चित्र के सन्दर्भ में अध्ययन।
- रंगों के विभिन्न टोन तैयार करना।

यूनिट –3

- ग्राफिक प्रिंट (लीनों ,वुडकट, कोलोग्राम, लीथों,ऐचिंग, विस्कोसिटी।
- स्टेंडग्लास पेटिंग।
- कोलाज।

यूनिट –4

- नवीन प्रयोगवादी विधियॉ।
- पट निर्माण एवं चित्रण विधि।
- विष्णु धर्मोत्तर पुराण के चित्र सूत्र पर आधारित शास्त्रीय तकनीक (रेखा,रूप,रंग,गुण,दोष)

बी0एफ0ए0 – तृतीय खण्ड – व्यावहारिक कला
सैद्धान्तिक प्रश्न–पत्र तकनीकी सिद्धान्त
द्वितीय प्रश्न– पत्र

पूर्णांक – 100
समय – 3 घण्टे

यूनिट –1

- विज्ञापन अभियान योजना (कैप्पेन प्लानिंग) मार्केटिंग, एडवरटाइजिंग, एजेंसीज, कम्यूनिकेशन, साइन एण्ड सिम्बल,आउटडोर मीडिया।विज्ञापन का इतिहास ,प्रिंटिंग प्रेस का परिचय,समाचार पत्र का जन्म ,प्रकार व विज्ञापन व्यावसायिक विज्ञापन।

यूनिट –2

- हॉफटोन ब्लाक ,कागज एवं मुद्रण के प्रकार, वर्गीकरण, टाइपोग्राफी की मशीन, हैण्डकम्पोजिंग, मैनुअल टाइप, मोनो टाइप, लडलो टाइपराइटर , फोटो कम्पोजिंग।

यूनिट –3

- आफसेट सिद्धान्त, मशीन एवं प्रयोग ,कैमरों का वर्गीकरण, लेंसः– नार्मल, वाइड, एंगल, टेलीफोटो जूम, फिश आई, फोटोग्राफी रसायनों का फार्मूला, टोनिंग एवं टोनर, रिड्युसिंग, इनटेनसिफाइंग, लाईटिंग मैटेरियल।

यूनिट –4

साधारण लेंसो के गुण व दोष , डायफ्राम के प्रकार ,फिल्टर एवं फिल्टर फैक्टर,कलर फिल्म और कलर स्लाइड के प्रकार,कलर फिल्म स्पीड।

बी0एफ0ए0 – तृतीय खण्ड – मूर्तिकला
सैद्धान्तिक प्रश्न – पत्र तकनीकी सिद्धान्त
द्वितीय प्रश्न – पत्र

पूर्णांक – 100
समय – 3 घण्टे

यूनिट – 1

- पदार्थ और पद्वतियॉ,पत्थर के प्रकार।
- पत्थर की कटाई में काम आने वाले औजार।
- कटाई का तकनीकी ज्ञान।
- पत्थर की मूर्ति के लिए मैकेट बनाना (डाइरेक्ट और इनडाइरेक्ट कार्विंग)

यूनिट –2

- धातु ढलाई की विभिन्न पद्वतियॉ– लॉस्ट वैक्स पद्वतियॉ।
- इटैलियन धातु ढलाई प्रक्रिया।
- डोगरा धातु ढलाई प्रक्रिया।
- धातु ढलाई में प्रयोग आने वाले उपादान एवं औजार।
- धातु मूर्ति के रंगने की रासायनिक तकनीक (पतीना)
- मोल्ड बनाने की विधियॉ।

यूनिट –3

- मूर्ति के प्रकार – रिलीफ, राउण्ड ,अन्य।

यूनिट –4

- पोर्ट्रेट ,बस्ट एवं फुलफीगर की मूर्ति के लिए आर्मेचर बनाना।
- मिट्टी में बस्ट एवं फुलफीगर के लिए सावधानियॉ।
- प्लास्टर ऑफ पेरिस के मूर्ति की रंगाई एवं फिनिशिंग की विभिन्न पद्वतियॉ।

बी0एफ0ए0 – चतुर्थ खण्ड

सैद्धान्तिक प्रश्न –पत्र कला का इतिहास एवम् सौन्दर्य शास्त्र

(चित्रकला, व्यावहारिक कला एवं मूर्तिकला)

पूर्णांक – 100

समय – 3 घण्टे

यूनिट –1

- आधुनिक चित्रकला और विकास यूरोपीय पृष्ठभूमिः
- स्वच्छन्दतावाद
- यथार्थवाद
- प्रभाववाद
- नव प्रभाववाद
- उत्तर प्रभाववाद
- फाववाद।

यूनिट –2

- घनवाद
- भविष्यवाद
- अभिव्यंजनावाद
- अतियथार्थवाद
- दादावाद
- पाप एण्ड ऑपआर्ट

यूनिट –3

- भारतीय पुनर्जागरण काल–बंगाल स्कूल :
- बंगाल स्कूल के चित्रकार – रवीन्द्र नाथ टैगोर, नन्दलाल बोस, अवनीन्द्र नाथ टैगोर, गगनेन्द्र नाथ टैगोर, आसित कुमार हाल्दार,सुधीर रंजन खास्तगीर, क्षितीन्द्र नाथ मजूमदार,विनोद बिहारी मुखर्जी।
- आधुनिक भारतीय कला और उसकी प्रवृत्तियॉ।
- आधुनिक भारतीय कलाकार –राजारवि वर्मा, यामिनी राय, अमृता शेरगिल, अब्दुर, रहमान चुगताई, बेन्द्रे,एम.एफ.हुसैन, रजा, रामकिंकर, देवी प्रसाद राय चौधरी, धनराज भगत, राम कुमार, सोमनाथ होर, के0जी0 सुब्रमण्यम ,दिनकर कौशिक, भावेश चन्द्र सान्याल, के0सी0एस0
- के.सी.एस.पनिकार, शंखो चौधरी, चिन्तामनिकर, प्रदोषदास, के0के0 हैब्बर, जे0 स्वामीनाथन, अकबर, पदमसी, वीरेन डे, जी0आर0 संतोष आदि।

बी0एफ0ए0 – चतुर्थ खण्ड
द्वितीय प्रश्न –पत्र
भारतीय मंदिर स्थापत्य एवं प्रतिमा विज्ञान

पूर्णांक – 100
समय – 3 घण्टे

यूनिट –1

भारतीय मंदिर स्थापत्य परिचय एवं इतिहास नागर शैली, बेसर शैली।

यूनिट –2

द्रविड़ शैली व पगोड़ा शैली।

यूनिट –3

हिन्दू प्रतिमा विज्ञान परिचय एवं इतिहास।

वैष्णव प्रतिमा विज्ञान, शैव प्रतिमा विज्ञान, शक्ति प्रतिमा विज्ञान।

यूनिट –4 बौद्ध एवं जैन प्रतिमा विज्ञान परिचय एवं इतिहास–

- बौद्ध प्रतिमा विज्ञान।
- जैन प्रतिमा विज्ञान।